राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

## भोजन और पानी की न करें बर्बादी

कानपुर। शिक्षा मंथन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने भाषण के दौरान सभी कुलपति व अधिकारियों को एक साधू की कहानी सुनाते हुए बताया कि भोजन व पानी की बर्बादी न करें। व्यक्ति 25 फीसदी भोजन व पानी की बर्बादी करता है। इसलिए थाली में जितनी जरूरत हो, उतना ही भोजन रखें और गिलास में पानी भी उतना ही लेना चाहिये।

# डिफेंस कॉरिडोर से जुड़े कोर्स तैयार करें, छात्रों को मिलेगा रोजगार

## ❑ देश-विदेश के अपने पूर्व संस्थानों के साथ एमओयू करें समस्त कुलपति

कानपुर, 8 जुलाई। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मी बाई प्रेक्षागृह में आयोजित शिक्षा मंथन कार्यक्रम की अध्यक्षता करतीं हुई राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कई जिलों में डिफेंस कॉरिडोर जैसी अनेक योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं को देखते हुए विवि नए कोर्स की शुरुआत करनी चाहिये, ताकि चित्रकूट, बुन्देलखण्ड में जब योजनाएं संचालित हो तो प्रशिक्षित छात्रों को नौकरी या जाब मिलना चाहिए। राज्यपाल ने कहाकि समुद्र मंथन में जैसे अनेक रत्न निकले थे, वैसे ही शिक्षा मंथन से जो रत्न निकलेंगे। सभी मदद से प्रदेश की विश्वविद्यालयों को वैश्विक पहचान मिलेगी। सभी को दूसरे प्रदेशों के विवि को देखकर हमेशा सीख लेना चाहिए और अब खुद को ऐसा विवि बनाये जिसे दूसरे प्रदेशों से कुलपति देखने आए। दो दिवसीय शिक्षक मंथन में देशभर के शिक्षाविद, यूपी के समस्त विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक समेत 10 वरिष्ठ प्रोफेसर शामिल हुए। राज्यपाल ने कहा कि पीएम मोदी योग के माध्यम से दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। इसी तरह छात्रों को भी पढ़ाई के अलावा खेलकूद, टूर, योग जैसी अनेक विधाओं में लीडर बनने का मौका देना चाहिये। उन्होंने कहा कि शिक्षक, अधिकारी व कुलपति को एक-दूसरे पर काम टालने की आदत को बदलना होगा। सभी एकसाथ मिलकर काम करें। जैसे छात्रों को टूर पर ले जा रहे हैं तो ऐतिहासिक स्थल का चयन करें और योग करें।

विवि के ऑडिटोरियम में बैठे कुलपति व अधिकारीगण।

या शहर का विकास होगा। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे ने दो दिन के मंथन के बारे में जानकारी दी। बताया कानपुर, झांसी व जौनपुर को भी जल्द नैक ग्रेड मिलेगी। मंथन में शनिवार को अलग-अलग सेशन में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, नैक ग्रेडिंग, एनआईआरएफ व क्यूएस रैंकिंग सुधारने को लेकर नैक की पूर्व सलाहकार डॉ. के रामा, चंडीगढ़ विवि के प्रति कुलपति प्रो. संजीत सिंह, क्यूएस रेटिंग दुबई के प्रो. अधिन फर्नांडिस, एनआईआरएफ के सदस्य सेक्रेटरी डॉ. अनिल कुमार नासा ने जानकारी दी।

इससे योग, शैक्षणिक टूर व ऐतिहासिक जानकारी एक साथ मिलेगी। उन्होंने कहाकि सभी कुलपति अपने पूर्व संस्थानों संग एमओयू करें। उनके साथ शिक्षा के स्तर को सुधारें और बदलाव लाएं। अगर कोई कुलपति ऐसा नहीं करता है तो उसकी योग्यता पर सवाल उठता है। हर कुलपति कई-कई विवि में पढ़ाई, रिसर्च करता है, जिसका लाभ उनके विवि को भी मिलना चाहिए। उन्होंने अपने अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे के जापान में पीएचडी करने की जानकारी पर भी कहा कि वे विवि के साथ समझौता कराएं। जिससे यूपी के छात्रों को जापान की तकनीक व शैक्षणिक योग्यता का लाभ मिले। राज्यपाल के ओएसडी डॉ. पंकज जानी ने प्रदेश के विवि की वर्तमान उपलब्धि गिनाई। नैक ग्रेडिंग में चार विवि ए-प्लसप्लस और एनआईआरएफ में रैंकिंग पाने वाले विवि को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केजी से पीजी तक सुधारेंगे, तभी शिक्षा का स्तर सुधरेगा और प्रदेश

## अब अपनी मातृभाषा में पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

कानपुर, 8 जुलाई। अब छात्र-छात्राएं अपनी मातृभाषा में पढ़ाई कर परीक्षा दे सकेंगे। बाजार में अंग्रेजी लेखकों की अनुवादित किताबें उपलब्ध होंगी। किताबों का अनुवाद एआईसीटीई की ओर से स्वीकृत अनुवादिनी टूल के माध्यम से आसानी से किया जा सकेगा। अनुवादिनी टूल से 500 पेज की किताब को सिर्फ 13 सेकेंड में 22 भाषाओं में अनुवाद हो सकेगा। साथ ही गूगल ट्रांसलेट की तरह यह टूल शब्द से शब्द का अनुवाद कर वाक्य का अर्थ नहीं बदलेगा। सीएसजेएमयू के शिक्षा मंथन में आए इंडियन लैंग्वेज कमेटी नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. छामू शास्त्री ने पत्रकारों को यह जानकारी दी।

**इंटरनेट के अनुवादिनी टूल से 500 पेज की किताब का अनुवाद सिर्फ 13 सकेंड में**

उन्होंने कहा कि 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ पर 100 हिंदी, मलयालम, तमिल, कन्नड़ भाषाओं में अनुवादित किताबों का विमोचन किया जाएगा। डॉ. छामू ने कहा कि हर प्रदेश के विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में पढ़ाई कर सकें। सरकार भी तैयारी पूरी है और अनुवाद की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। इस टूल पर 80 फीसदी की एक्यूरेसी आई है। जिन किताओं का अनुवाद हुआ है, उसमें कुछ कठिन शब्दों की अंग्रेजी को कोष्ठक में लिख दिया है। ताकि छात्रों को समझने में आसानी हो। यूजी, पीजी की विज्ञान, कामर्स, कला के अलावा प्रोफेशनल कोर्स जैसे मैनेजमेंट, लॉ, एग्रीकल्चर, इंजीनियरिंग की किताबों का भी अनुवाद किया जा रहा है।

# राज्यपाल नाराज, समस्या लटकाये नहीं, निर्णय लें कुलपति

कानपुर, 8 जुलाई। शिक्षा मंथन में छात्रों से परीक्षा मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन को लेकर आने वाली शिकायतों पर चर्चा हुई। सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक समेत अन्य विवि के कुलपतियों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी। अंकतालिका का पूरा काम एजेंसियों के भरोसे होता है। एजेंसियों की लापरवाही से अंकतालिका में होने वाली गड़बड़ी से छात्र-छात्राएं व विवि परेशान होते हैं। इसे सुन राज्यपाल का पारा गरम हुआ और वह भड़क उठी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विवि एजेंसियों के नाम पर 200 करोड़ रुपये हर साल खर्च करते हैं। अपर मुख्य सचिव से उन्होंने कहा कि अगर यूपी इलेक्ट्रानिक्स विभाग कोई साफ्टवेयर तैयार करे, जिसका उपयोग सभी विवि कर सके। इसका पूरा भुगतान भी विवि करेंगे। या केंद्र सरकार के समर्थ पोर्टल से समस्या का समाधान हो सके, तो राजभवन एक आदेश जारी कर विवि को उससे जोड़ने का निर्देश पारित कर दें। राज्यपाल ने ऐसे कई सुझाव दिए, जिससे अंकतालिकाओं में गड़बड़ी की समस्या समाप्त हो सके। राज्यपाल ने कहा कि समस्या को लटकाइये नहीं, निर्णय लेकर समस्या को खत्म करें।

**परीक्षा, मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन के अलावा छात्रों की समस्याओं पर हुई चर्चा**

डॉ अनिल नासा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. विनय पाठक।

# एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारें विश्वविद्यालय

कानपुर, 8 जुलाई। नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) और नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ अनिल कुमार नासा ने एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए जरूरी मापदंडों की जानकारी दी। यह सत्र देश भर के शैक्षणिक संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धी माहौल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए मापदंडों के मूल्यांकन पर केंद्रित रहा। प्रो. नासा ने बताया कि एनआईआरएफ रैंकिंग शिक्षण संस्थानों का एक व्यापक मूल्यांकन है, जो संस्थानों की स्थिति निर्धारित करने के लिए विभिन्न मापदंडों को ध्यान में रखता है। इन मापदंडों में शिक्षक-छात्र अनुपात (30 प्रतिशत), अनुसंधान आउटपुट (30 प्रतिशत), स्नातक आउटरीच (20 प्रतिशत), समावेशिता और आउटरीच (10 प्रतिशत), और धारणा (10 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने वास्तुकला, अनुसंधान, दंत चिकित्सा और कानून जैसे विशिष्ट क्षेत्रों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष पहली बार यूपी से किसी कृषि विश्वविद्यालय ने भी एनआईआरएफ रैंक के लिए आवेदन किया है, यह चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि रैंकिंग के लिए छात्रों का प्रवेश सबसे अहम है। इसलिए सभी विश्वविद्यालयों से छात्रसंख्या के हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि शिक्षक, छात्रों का अनुपात दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है। इस पर भी सभी विश्वविद्यालयों को ध्यान देना चाहिए। इसी क्षेत्र में यूपी के विश्वविद्यालय पीछे हैं। इसी वजह से वह एनआईआरएफ रैंकिंग में टाप 100 में नहीं आ पा रहे हैं।

## 400 फार्मेसी पर गाज गिरना तय

कानपुर। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहाकि शिक्षण संस्थानों में शिक्षण का काम होना चाहिये। राजनीति का काम नेताओं को करने दें। तकनीक संस्थान काफी पिछड़े थे, काफी सुधार किया है, काफी सुधार होना अभी बाकी है। किसी भी निजी संस्थानों को परीक्षा का केंद्र नहीं बनाया जाएगा। इससे नकल पर रोक लगे। सरकारी संस्थानों में इस बार एआई, डाटा साइंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग का कोर्स भी शुरू किए गए है। पटेल ने कहा कि प्रदेश भर के 400 फार्मेसी कॉलेजों ने दिए दस्तावेजों में फर्जी जानकारी दी थी। अन्य शिक्षण संस्थान भी राडार पर है। फर्जी दस्तावेज देने पर संबंधित कालेजों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

## खाली पदों पर जल्द होगी शिक्षकों की नियुक्तियां

कानपुर, 8 जुलाई। यूपी उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी जल्द दूर होगी। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शिक्षा मंथन जैसे कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा है और जल्द ही सुधार दिखाई देगा। उनका कहना है कि पुरानी सरकारों ने शिक्षा का स्तर गिरा दिया था। पहले नकल के नाम पर वोट मांगा जाता था। पटरी छात्रसंख्या पर शिक्षामंत्री ने कहा कि अब नकलविहीन परीक्षा हो रही है। इसलिए नकल के दम पर पास होने वाले छात्रों की संख्या में कमी आई है। एनआईआरएफ में सबसे बड़ी बाधक बनी शिक्षकों की कमी को उन्होंने जल्द दूर करने का आश्वासन दिया है।

# इंजीनियरिंग की हिन्दी में पढ़ाई कराएगा स्वदेशी अनुवादिनी

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। देश में चिकित्सा और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिन्दी भाषा में स्वदेशी अनुवादिनी कराएगा। अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषाओं में लिखी पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद कर छात्र-छात्राओं को स्टडी मैटेरियल मुहैया कराया जाएगा।

स्वदेशी अनुवादिनी का उपयोग शुरू भी हो गया है और 29 जुलाई को दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय में पहली 100 पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। यह जानकारी इंडियन लैंग्वेज कमेटी, नई दिल्ली के चेयरमैन व पद्मश्री डॉ. चामू कृष्ण शास्त्री ने दी। उन्होंने कहा अनुवादिनी गूगल की तरह शब्द से शब्द नहीं

- इंडियन लैंग्वेज कमेटी के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. चामू कृष्ण शास्त्री बोले
- अनुवादिनी गूगल की तरह शब्द से शब्द नहीं वाक्य से वाक्य करता है अनुवाद

बल्कि वाक्य से वाक्य का अनुवाद करता है। यह 80 फीसदी शुद्ध है। सीएसजेएमयू में शिक्षा मंथन में हिस्सा लेने आए पद्मश्री डॉ. चामू कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अनुवादिनी, ग्लोबल वाइस एंड डॉक्यूमेंट एआई ट्रांसलेशन कंप्यूटर टूल है, जिसे एआईसीटीई ने विकसित किया है।

इससे स्नातक-परास्नातक, प्रोफेशनल कोर्स को हिन्दी भाषा में बढ़ावा देने के लिए किताबें व अन्य स्टडी मैटेरियल तैयार किया जा रहा है। कई पब्लिशर से वार्ता हुई है, जो किताबों को हिन्दी भाषा में अनुवाद को तैयार है। यूजीसी ने भी विवि में मातृभाषा में परीक्षा की अनुमति प्रदान कर दी है।

### 13 सेकेंड में 500 पेज होगा अनुवाद

डॉ. शास्त्री ने बताया कि अनुवादिनी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित टूल है। यह सिर्फ 13 सेकेंड में 500 पेज की किताब का अनुवाद कर देगा। शुरुआत स्नातक के कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय की किताबों से की गई है। जल्द ही छात्रों के लिए स्नातक के सभी कोर्स की किताबें हिन्दी में उपलब्ध होंगी।

### 30 लाख शब्दों की शब्दावली तैयार

डॉ. शास्त्री ने बताया कि मेडिकल व इंजीनियरिंग की किताबों को हिन्दी में अनुवाद करना चुनौती है। इसके लिए कमीशन फॉर साइंटिफिक एंड टेक्निकल टर्मिनोलॉजी ने तकनीकी के 30 लाख शब्दों की शब्दावली तैयार की है, जिसका उपयोग हिन्दी अनुवाद में किया जा रहा है।

### गूगल की दिक्कतें नहीं आएंगी अनुवादिनी में

डॉ. शास्त्री ने कहा कि गूगल से हिन्दी अनुवाद करने में अनेक दिक्कतें आती हैं। अनुवादिनी में इन सभी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया है। यह एक ग्लोबल टेक्स्ट एंड वाइस एआई लैंग्वेज ट्रांसलेशन टूल है। इसमें अभी और सुविधाओं का इजाफा किया जाना है।

### 22 भाषाओं में काम करेगा अनुवादिनी

हिन्दी, अंग्रेजी, तेलगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी, गुजराती, बंगाली, उर्दू, रशियन, स्पैनिश, चाइनीज, फ्रेंच, अरेबिक, पुर्तगाल, जर्मन, जापानीज, कोरियन, इटेलियन, तुर्किश, मलय।

### यूं करेगा काम

- ऑनलाइन डॉक्यूमेंट ट्रांसलेशन
- टेक्स्ट टू टेक्स्ट ट्रांसलेशन
- इमेज टू टेक्स्ट ट्रांसलेशन
- स्पीच टू स्पीच एंड वीडियो टू वाइस ट्रांसलेशन
- टेबल टू टेबल ट्रांसलेशन

प्रदेश में पहली बार सीएसजेएमयू में किया गया शिक्षा मंथन का आयोजन

# शिक्षा मंथन में निकले रत्नों से होगी विवि की वैश्विक पहचान: राज्यपाल



विवि में शिक्षा मंथन के दौरान सीएसजेएमयू कुलपति प्रो. विनय पाठक भी मौजूद रहे।

## टिप्स

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। समुद्र मंथन में जैसे अनेक रत्न निकले थे, वैसे ही शिक्षा मंथन से जो रत्न निकलेंगे, उनकी मदद से प्रदेश के विश्वविद्यालयों को वैश्विक पहचान मिलेगी। दूसरे प्रदेशों के विवि को देखकर हमेशा सीख लेना चाहिए लेकिन अब खुद को ऐसा विवि बनाना है, जिसे देखने और सीखने दूसरे प्रदेशों से कुलपति आएं। यह बात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कही। प्रदेश में पहली बार हो रहे शिक्षा मंथन का शनिवार को आगाज हुआ। दो दिन चलने वाले मंथन में देशभर के शिक्षाविद जानकारी दे रहे हैं तो प्रदेश के सभी विवि के कुलपति, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक और 10 वरिष्ठ प्रोफेसर प्रतिभाग कर रहे हैं।

विवि के रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में कुलाधिपति ने मंथन का शुभारंभ किया। राज्यपाल के ओएसडी डॉ. पंकज जानी ने प्रदेश के विवि की वर्तमान उपलब्धियां गिनाई। अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे ने दो दिन के मंथन के बारे में जानकारी दी। बताया कानपुर, झांसी व जौनपुर को भी जल्द नैक ग्रेड मिलेगी। मंथन में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, नैक ग्रेडिंग, एनआईआरएफ व क्यूएस रैंकिंग सुधारने को लेकर नैक की पूर्व सलाहकार डॉ. के रामा, चंडीगढ़ विवि के प्रति कुलपति प्रो. संजीत सिंह, क्यूएस रेटिंग दुबई के प्रो. अश्विन फर्नांडिस, एनआईआरएफ के सदस्य सेक्रेटरी डॉ. अनिल नासा ने जानकारी दी। इस मौके पर सीएसजेएमयू कुलपति प्रो. विनय पाठक, सीएसए कुलपति डॉ. आनंद सिंह, एचबीटीयू वीसी प्रो. समशेर मौजूद रहे।

- दो दिवसीय मंथन में देशभर के शिक्षाविद देंगे जानकारी
- प्रदेश के सभी कुलपति, परीक्षा नियंत्रक कर रहे प्रतिभाग



सीएसजेएमयू में शिक्षा मंथन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सूबे के उच्च शिक्षामंत्री योगेंद्र, प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल।

**10** वरिष्ठ प्रोफेसर कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे हैं

### शिक्षकों की कमी जल्द दूर होगी : उच्च शिक्षामंत्री

प्रदेश के उच्च शिक्षामंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी जल्द दूर होगी। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शिक्षा मंथन का आयोजन किया गया है। पुरानी सरकारों ने शिक्षा का स्तर गिरा दिया था। पहले नकल के नाम पर वोट मांगा जाता था। घटती छात्र संख्या पर उच्च शिक्षामंत्री ने कहा कि अब नकलविहीन परीक्षा हो रही है इसलिए नकल के दम पर पास होने वाले छात्रों की संख्या में कमी आई है। कहा कि सभी निर्धारित पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। प्रदेश के विवि को जल्द एनआईआरएफ के साथ क्यूएस में भी स्थान मिलेगा।

## 34 कुलपति, रजिस्ट्रार ने किया प्रतिभाग

कानपुर। शिक्षा मंथन कार्यक्रम में, शनिवार को 34 कुलपति, रजिस्ट्रार ने किया प्रतिभाग लिया। आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी अयोध्या, अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ, बांदा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी बांदा, भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ ने हिस्सा लिया।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय कानपुर, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी ने हिस्सा लिया। एकेटीयू लखनऊ, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ, डॉ. शकुंतला मिश्रा नेशनल विश्वविद्यालय लखनऊ, एचबीटीयू, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज विश्वविद्यालय लखनऊ, केजीएमयू लखनऊ, मां शाकुंभरी यूनिवर्सिटी सहारनपुर, एमएमएमयूटी गोरखपुर, महाराजा सुहेलदेव स्टेट विवि आजमगढ़, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर, प्रो. राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय प्रयागराज, राजा महेंद्र प्रताप सिंह स्टेट विश्वविद्यालय अलीगढ़, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी ने हिस्सा लिया।

आज रहेंगे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक: सीएसजेएमयू में चल रहे शिक्षा मंथन के दूसरे दिन रविवार सुबह प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ शिरकत करेंगे। वे दूसरे दिन के उद्घाटन सत्र में रहेंगे और नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों पर विशेषज्ञों के साथ मंथन करेंगे।

## एनआईआरएफ की तरह राज्य स्तर पर रैंकिंग हो

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। शिक्षा मंथन के दौरान आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में प्रस्ताव दिया गया कि जिस तरह नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की रैंकिंग की जाती है उन्हीं मानकों पर राज्य स्तर पर रैंकिंग कराई जाए। इससे विश्वविद्यालयों को स्तर सुधारने का मौका मिलेगा। एनआईआरएफ की तैयारी भी हो जाएगी। नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडिटेशन एंड एनआईआरएफ के मेंबर सेक्रेटरी डॉ. अनिल नासा और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर संजीत सिंह ने एनआईआरएफ रैंकिंग सुधार के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की।

**मंत्री ने पूछा छात्रों का मनोविज्ञान**

सूबे के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने विशेषज्ञों से पूछा कि जब छात्र किसी विवि या संस्थान में प्रवेश के लिए जाता है तो वह नैक रेटिंग या एनआईआरएफ में से किसके बारे में पूछता है और किसको प्रमुखता देता है। इस पर विशेषज्ञों का कहना था कि नैक रेटिंग पांच वर्षों में एक बार होती है लेकिन एनआईआरएफ रैंकिंग हर वर्ष होती है। यह मानक छात्रों को ज्यादा अपील करता है। वैसे छात्र अधिक जागरूक होते हैं और तमाम संस्थान ऐसे हैं जो अपनी बात छात्रों तक पहुंचाने में सक्षम होते हैं। दक्षिण के छात्र एनआईआरएफ के बारे में पूछते हैं।

रैंकर्स का 25 हजार करोड़ का बजट: विशेषज्ञों ने कुलपतियों को रैंकिंग में सुधार के लिए तमाम बातें बताईं और साथ में यह भी कहा कि क्यूएस के जो टॉप रैंकर विश्वविद्यालय हैं उनका अपना बजट 25 हजार करोड़ है। इससे संसाधन बढ़ाने में मदद मिलती है। हमारा मुकाबला ऐसे संस्थानों से है।

### पेटेंट को यूनिवर्सिटी में काउंट नहीं करते

विशेषज्ञों से एक कुलपति ने पूछा कि नैक-एनआईआरएफ ग्रेडिंग में जो पेटेंट थे उन्हें यूनिवर्सिटी के खाते में काउंट नहीं किया गया। इस पर विशेषज्ञों ने कहा कि इसके लिए अलग से फीस पड़ती है और पंजीकरण कराना होता है।

### ऑनलाइन फैकल्टी का असर

एक कुलपति ने ऑनलाइन फैकल्टी रखने और इसके रैंकिंग पर असर से सम्बंधित प्रश्न किया तो विशेषज्ञों का स्पष्ट उत्तर था कि कैंपस में शिक्षक होने चाहिए। नेट क्वालिफाई से पढ़ा लेने से भी रैंकिंग नहीं बढ़ सकती।

# शिक्षक पढ़ाएं, राजनीति हमें करने दें

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। सूबे के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि सरकारी संस्थानों में घट रही छात्र संख्या और प्लेसमेंट के लिए शिक्षक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक पढ़ाने पर ध्यान दें और राजनीति हमें करने दें। फिर शिक्षा गुणवत्ता में भी सुधार होगा और छात्रों की संख्या में इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई फार्मेसी कॉलेजों ने गलत शपथपत्र देकर अनुमति ली थी, जिसकी जांच अंतिम चरण में है। करीब 400 फार्मेसी कॉलेज को दोषी पाया गया है जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इन कॉलेज संचालकों की सोसाइटी भी निरस्त करने की तैयारी है।

शिक्षा मंथन में शिरकत करने आए आशीष पटेल ने कहा कि तकनीक संस्थान काफी पिछड़े थे, काफी सुधार किए हैं और सुधार अभी बाकी है। उन्होंने स्कोर से हो रही दाखिला प्रक्रिया को प्रचारित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब परीक्षा के लिए सरकारी पॉलीटेक्निक या फिर जीआईसी को ही केंद्र बनाया जाएगा। निजी संस्थानों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। सरकारी संस्थानों में इस बार एआई, डाटा साइंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग का कोर्स भी शुरू किया गया है। डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर हैंडीकैप्ड के बच्चों का फूड सब्सिडी बढ़ाने को लेकर उन्होंने कहा फाइल वित्त विभाग में विचाराधीन है। मंत्रालय ने पास कर दिया है।

### अंकतालिकाओं में गड़बड़ी पर राज्यपाल नाराज

कानपुर। शिक्षा मंथन में छात्रों से परीक्षा मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन को लेकर आने वाली शिकायतों पर चर्चा हुई। सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक समेत अन्य विवि के कुलपतियों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। अंकतालिका का पूरा काम एजेंसियों के भरोसे होता है। एजेंसियों की लापरवाही से अंकतालिका में होने वाली गड़बड़ी से छात्र-छात्राओं के साथ विवि प्रशासन भी परेशान होता है। इसको सुनकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विवि एजेंसियों के नाम पर 200 करोड़ रुपये हर साल खर्च करते हैं। अपर मुख्य सचिव से उन्होंने कहा कि अगर यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग कोई सॉफ्टवेयर तैयार करे, जिसका उपयोग सभी विवि कर सकें। इसका पूरा भुगतान भी विवि करेंगे। केंद्र सरकार के समर्थ पोर्टल से समस्या का समाधान हो सके तो राजभवन आदेश जारी कर विवि को उससे जोड़ने का निर्देश पारित कर दे।



प्रो. अनिल कुमार नासा।

अपर मुख्य सचिव सुधीर एम बोबडे।

# डाटा मैपिंग और ब्रांडिंग पर सबसे ज्यादा काम किया जाए

- एप्लीकेंट के तौर पर पंजीयन की सलाह दी
- रैंकिंग में शामिल करने के लिए समय लगेगा

कानपुर। विशेषज्ञों ने कहा कि अगर विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग में शामिल होना है तो सबसे पहले मैपिंग और एनालिसिस (विश्लेषण) कराएं। डाटा मैपिंग व ब्रांडिंग पर सबसे ज्यादा काम करें। छोटा काम हो या बड़ा उसे सब तक पहुंचाना बहुत जरूरी है। पेटेंट की संख्या बढ़ाने के साथ ही संस्थान को एप्लीकेंट के तौर पर पंजीयन कराने की सलाह दी। इस दौरान एचबीटीयू के कुलपति प्रो. समशेर, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय, मथुरा वेटनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके श्रीवास्तव ने सवाल पूछे।

सरकारी बनाम प्राइवेट विश्वविद्यालय: एक कुलपति ने सरकारी बंदिशों का जिक्र करते हुए सवाल किए कि वह कैसे रैंकिंग में सुधार ला सकते हैं।

इस पर विशेषज्ञों का कहना था कि रैंकिंग के लिए कई बिंदु होते हैं। अगर हम किसी में कमजोर हैं तो दूसरे में स्ट्रांग हो सकते हैं। उसमें मेहनत कर लें। ओपन यूनिवर्सिटी के सवाल पर विशेषज्ञों का कहना था कि इसको रैंकिंग में शामिल करने के लिए अभी समय लगेगा। हर वर्ष बदलाव होते हैं लेकिन यह प्रक्रिया लंबी है।

अमर उजाला कानपुर 09/07/2023

# प्रदेश में चल रही योजनाओं पर बनाएं कोर्स

## सीएसजेएमयू में शुरु हुए शिक्षा मंथन में बोलीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, छात्रों को लीडर बनाने पर दिया जोर

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। प्रदेश में चल रही योजनाओं के आधार पर ही कोर्सों को तैयार किया जाए। जैसे प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर पर काम चल रहा है, लेकिन क्या किसी यूनिवर्सिटी ने इस पर आधारित कोर्स तैयार करने का सोचा। नहीं सोचा है तो अब इस पर काम करना शुरू कर दें। यह बात राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कही।

प्रदेश के विवि को शिक्षा की ऊंचाइयों तक ले जाने, नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड, क्यूएस और एनआईआरएफ में रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से पहली बार छत्रपति शाहूजी महाराज विवि में शिक्षा मंथन का आगाज हुआ। इसमें प्रदेश के सभी विवि के कुलपति, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक समेत 10 वरिष्ठ प्रोफेसरों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शिक्षा मंथन का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि बच्चों में सीखने की ललक है। उनको व्यस्त रखें ताकि वे आंदोलन जैसी गतिविधियों में शामिल होकर समय बर्बाद न करें। छात्रों को लीडर बनाएं ताकि वे भी प्रधानमंत्री की तरह देश का नेतृत्व करें। उनको पढ़ाई के अलावा खेल, टूर, योग जैसी अनेक विधाओं में लीडर बनने का मौका दें।

राज्यपाल ने कहा कि सभी कुलपति यहां से जो सुनकर जाएं, उसको धरातल पर भी उतारें। सभी विवि के कुलपति दूसरे विवि से सीख लें। ऐसा कार्य करें जिससे दूर-दूर से लोग संस्थान को देखने और कार्य को सीखने आएं। कई महाविद्यालयों ने उनसे संपर्क किया कि वह भी नैक ग्रेडिंग में शामिल होना चाहते हैं, इसे कुलपति गंभीरता से लें।

सीएसजेएमयू में आयोजित शिक्षा मंथन में विभिन्न राज्यों से आए कुलपति व प्रोफेसरों से मिलतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, कुलपति प्रो. विनय पाठक। संवाद

### छात्रों की परेशानी का हर हाल में समाधान खोजें

■ शिक्षा मंथन के अंतिम सत्र में कुलाधिपति कुलपतियों के बीच में जाकर बैठीं और कहा कि छात्रों की परेशानी पर भी काम करें। परीक्षा मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन को लेकर आने वाली शिकायतों पर चर्चा कर लें। कुलपतियों ने बताया कि अंकतालिका का पूरा काम एजेंसियों के भरोसे होता है। एजेंसियों की लापरवाही से अंकतालिका में गड़बड़ी होती है। इस पर राज्यपाल नाराज हुईं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विवि एजेंसियों के नाम पर 200 करोड़ रुपये हर साल खर्च करते हैं। अपर मुख्य सचिव से उन्होंने कहा कि यूपी इलेक्ट्रानिक्स विभाग से ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार कराएं जिसका उपयोग सभी विवि कर सकें। इसका पूरा भुगतान भी विवि करेंगे। या केंद्र सरकार के समर्थ पोर्टल से समस्या का समाधान हो सके, तो राजभवन एक आदेश जारी कर विवि को उससे जोड़ने का निर्देश पारित कर दे। राज्यपाल ने इस पर जल्द फैसला लेने को कहा।

### विवि, कॉलेजों में जल्द दूर होगी शिक्षकों की कमी

प्रदेश की शिक्षा की गुणवत्ता में अब सुधार हो रहा है। पुरानी सरकारों ने तो शिक्षा का स्तर काफी खराब कर दिया था। परीक्षा में नकल कराने के नाम पर वोट मांगे जाते थे। यही वजह है नकल के दम पर पास होने वाले छात्र अब दाखिला लेने में घबरा रहे हैं। प्रदेश में शिक्षा का स्तर भी बढ़ रहा है। यह बात उच्च शिक्षामंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कही। क्यूएस या एनआईआरएफ रैंकिंग में आने के लिए रिसर्च की आवश्यकता है, रिसर्च के लिए शिक्षकों की कमी है, इस पर उपाध्याय ने कहा कि विवि व कॉलेजों में शिक्षकों की कमी जल्द दूर की जाएगी। सभी निर्धारित पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। प्रदेश के विवि को जल्द एनआईआरएफ के साथ क्यूएस रैंकिंग में भी स्थान मिलेगा।

### शिक्षक छात्रों को पढ़ाएं, राजनीति नेताओं को करने दें

शिक्षक संस्थानों में शिक्षण का काम करें, राजनीति का काम नेताओं को करने दें। तकनीक संस्थान काफी पिछड़े थे, काफी सुधार किया है, काफी सुधार होना अभी बाकी है। यह बात प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कही। उन्होंने कहा कि तकनीक शिक्षण संस्थानों में कम हो रही छात्र संख्या को बढ़ाने के लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं। प्रयासों की जल्द जानकारी दी जाएगी। जेईई माध्यम से दाखिले कराने के लिए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। आशीष ने कहा कि तकनीक संस्थानों में इस बार से बड़ा बदलाव किया गया है। अब परीक्षा के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक या फिर जीआईसी को सेंटर बनाया जाएगा। पटेल ने कहा कि प्रदेश भर के 400 फार्मेसी कॉलेजों ने दस्तावेजों में फर्जी जानकारी दी थी। इन कॉलेजों पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। अन्य कॉलेज भी रडार पर हैं।

### कुलपतियों का खंगाला जाएगा प्रोफाइल

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के कई कुलपति ऐसे हैं जो कभी न कभी किसी संस्थान में गेस्ट लेक्चर लेने गए होंगे। अब सभी कुलपतियों का प्रोफाइल एक बार फिर खंगाला जाएगा। सभी कुलपति अपने पूर्व संस्थानों संग एमओयू करेंगे। उनके साथ मिलकर शिक्षा के स्तर को सुधारेंगे और बदलाव लाएंगे। उन्होंने अपने अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे के जापान से पीएचडी करने की जानकारी पर भी कहा कि वे विवि के साथ समझौता कराएं ताकि यूपी के छात्रों को जापान की तकनीक व शैक्षणिक योग्यता का लाभ मिले।

# विवि के अधिकारी खुद को अपडेट करें

कानपुर। प्रदेश के विवि के अधिकारियों को अपग्रेड होने की आवश्यकता है। समय समय पर देश विदेश से मिलने वाली ग्रांट के बारे में जानकारी रखें। साथ ही आवेदन करते रहें। यह बात चंडीगढ़ के प्रति कुलपति प्रो.संजीत सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो पेटेंट करते हैं, वे विवि को एप्लीकेंट नहीं बनाते जिससे विवि के खाते में पेटेंट शून्य रहता है। फीस देकर इसमें सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रैंकिंग के लिए डाटा मैपिंग व ब्रांडिंग पर सबसे ज्यादा काम करें। सोशल मीडिया के माध्यम से आप अपने कामों को और कॉलेज की ब्रांडिंग कर सकते हैं।



डा. अनिल कुमार नासा व प्रो. संजीत सिंह ने भी रखे अपने विचार। संवाद

### इन बिंदुओं पर दें ध्यान

नैक बंगलूरू की पूर्व सलाहकार प्रोफेसर के रामा ने विश्वविद्यालयों को नैक मान्यता प्राप्त करने के लिए पांच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर देने को कहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विकास में योगदान , वैश्विक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना, मजबूत मूल्य संवेदनशीलता को विकसित करना, प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना, सभी पहलुओं में उत्कृष्टता हासिल करना महत्वपूर्ण है।

नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन और नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार नासा ने एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए जरूरी मापदंडों की जानकारी दीं। बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात के 30 फीसदी, अनुसंधान आउटपुट 30 फीसदी स्नातक, आउटरीच 20 फीसदी, समावेशिता और आउटरीच 10 फीसदी होनी चाहिए। शिक्षक, छात्रों के अनुपात का ध्यान देना बहुत जरूरी है। (ब्यूरो)

# केजी से पीजी तक की शिक्षा व्यवस्था सुधारने की जरूरत

राज्यपाल के ओएसडी डॉ. पंकज एल जानी ने कहा कि केजी से पीजी तक सुधारेंगे, तभी शिक्षा का स्तर सुधरेगा और प्रदेश या शहर का विकास होगा। नैक ग्रेडिंग या किसी भी रैंक में संस्थान को लाने का काम केवल कुलपति का नहीं है। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे ने बताया कि कानपुर, झांसी व जौनपुर को भी जल्द नैक ग्रेड मिलेगी। संस्थानों में फॉरेन कैंपस की भी शुरुआत होगी। मंथन में शनिवार को अलग-अलग सेशन में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, नैक ग्रेडिंग, एनआईआरएफ व क्यूएस रैंकिंग सुधारने को लेकर नैक की पूर्व सलाहकार डॉ. के रामा, चंडीगढ़ विवि के प्रति कुलपति प्रो. संजीत सिंह, क्यूएस रेटिंग दुबई के प्रो. अश्विन फर्नांडिस, एनआईआरएफ के सदस्य सेक्रेटरी डॉ. अनिल कुमार नासा ने जानकारी दी।

राष्ट्रीय सहारा

09/07/2023

# विश्वविद्यालयों में बेहतर शैक्षिक माहौल का करें प्रयास : राज्यपाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में बेहतर से बेहतर शैक्षिक माहौल के लिये काम किया जाना जरूरी है। शिक्षा मंथन 2023 को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज के बच्चे कुछ नया करना चाहते हैं, हम उनका साथ देंगे तो एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। यहां छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विवि. में शनिवार को दो दिवसीय शिक्षा मंथन 2023' कार्यक्रम में जुटे देश भर के शिक्षाविदों ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया।

**कुछ नया करना चाहते हैं आज के बच्चे, उनका देना होगा साथ**

**सीएसजेएमयू में जुटे देश भर के शिक्षाविद्, सुधार पर किया मंथन**

कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन



विश्वविद्यालय में शिक्षा मंथन 2023 कार्यशाला को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और अधिकारी। फोटो : एसएनबी

कुछ नया करने की चाह रखने वाले बच्चों को बहुत फायदे मिलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि अगर हम मेहनत करें तो

विरोध करेंगे, लेकिन अगर उन्हें व्यस्त रखा जायेगा तो वह ऐसा नहीं करेंगे। हम सोचते हैं कि एक काम पूरा होने पर ही

पहले ही विश्वविद्यालयों में योग कराने की बात सोची गयी, परिणाम बहुत अच्छे रहे। पानी के अंदर बच्चों द्वारा योग का

ग्रेड आया, उसके बाद दूसरी बैठक में लोगों ने अपने विचार निसंकोच व्यक्त किये।

## डिफेंस कॉरीडोर पर करें काम

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के छह जिलों में डिफेंस कॉरीडोर बन रहा है। क्या किसी विवि में इस पर कोई काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर नया कोर्स संचालित किया जा सकता है। मैंने लखनऊ विवि के कुलपति आलोक राय और बुंदेलखंड विवि के कुलपति मुकेश पाण्डेय को जिम्मेदारी सौंपी है। उनसे कहा है कि इस सम्बंध में पाठ्यक्रम कैसा होगा, इसके सिलेबस का प्रपोजल तैयार करें।

## जो विदेश से सीख कर आये, उसे दूसरों को सिखाएं

राज्यपाल ने कहा कि हम लोगों ने सोचा है, आज जितने भी वीसी बैठे हैं, उनका बायोडाटा निकाला जाये। उन्होंने कहां पढ़ाई की, किस देश में गये, क्या किया। विदेश से जो सीख कर आये, उसका कितना फायदा विवि और छात्रों को मिला। भविष्य में उनके अनुभव से क्या लाभ मिल सकता है, इस पर काम किया जायेगा। जो सीखा है वह बाकी को सिखाना होगा। कार्यक्रम में प्रदेश भर के विवि के कुलपति, शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल रहे। यहां प्रमुख रूप से प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, विशेष

Sign in to edit and save changes to this file.

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्पष्ट आवाज़
लखनऊ, गोरखपुर से प्रकाशित
रविवार, 9 जुलाई, 2023 वर्ष : 20, अंक: 17 पृष्ठ: 12
www.spashtawaz.com
लखनऊ, गोरखपुर व ललितपुर से एक साथ प्रकाशित, मूल्य: ₹ 3

हत्या से ही, ममता साधती हैं सत्ता का रास्ता : अनुराग ठाकुर.....

# जो सीखा है, उसे आगे बढ़ाएंः राज्यपाल

**कानपुर।** छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में दो दिवसीय शिक्षा मंथन का राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने आगाज किया। इस दौरान राज्यपाल ने कुलपतियों से कहा कि यहां से जो सीखा, उसे संस्थान तक लेकर जाएं। इसके साथ ही राज्यपाल ने कुलपतियों से कहा कि, आप भी अपनी यूनिवर्सिटी को ऐसा बनाएं की दूसरे लोग इससे सीखने आएं। राज्यपाल ने कहा कि कॉलेज भी नैक में आगे आएं और वीसी उनका नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी



विदेश के संस्थानों में पढ़े हैं। अपनी यूनिवर्सिटी से दोबारा संपर्क कर प्रदेश के संस्थानों के साथ एमओयू साइन करें, ताकि इसका लाभ वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को मिल सके। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में नया और पुराना भेदभाव दूर करना होगा। छात्र छोटी—छोटी चीजों के लिए परेशान हैं। उनसे कहा जाता है, यह मेरा काम नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि अगर छात्र आपके पास आता है तो उसका मार्गदर्शन कीजिए। अगर वह बाहर जाकर कुछ कहेगा तो यूनिवर्सिटी की छवि खराब होगी। राज्यपाल ने डिफेंस कॉरीडोर का उदाहरण देते हुए कहा कि छ?ह जिलों में इसका काम चल रहा है लेकिन क्या किसी यूनीवर्सिटी में इसको लेकर कोई कार्य हो रहा है, कोर्स संचालन के बारे में किसी ने सोचा। उन्होंने कहा कि मैंने दो यूनिवर्सिटी के कुलपति को जिम्मेदारी सौंपी है। कैसा सिलेबस होगा, उसका प्रपोसल तैयार करने के लिए कहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षामंत्री योगेंद्र उपाध्याय के साथ शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों ने शिरकत की। साथ ही, प्रदेश के सभी चिकित्सा, कृषि, संस्कृत व राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक, आईक्यूएसी के निदेशक समेत 10 वरिष्ठ प्रोफेसर शामिल रहे।

# कानपुर के सीएसजेएमयू में शिक्षा मंथन का आगाज

## राज्यपाल बोली यहां से जो सीखे वह संस्थान तक ले जाएं

**कानपुर।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में शनिवार को दो दिवसीय शिक्षा मंथन का आगाज हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। इस दौरान उन्होंने कुलपतियों से कहा कि यहां से जो सीखा है उसे संस्थान लेकर तक जाएं। राज्यपाल ने कहा कि जो भी अधिकारी विदेश के संस्थानों में पढ़े हैं अपनी यूनिवर्सिटी से दोबारा संपर्क कर प्रदेश के संस्थानों के साथ एमओयू साइन करें ताकि इसका लाभ वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को मिल सके। कार्यक्रम के मौके पर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के साथ शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों ने शिरकत की। साथ ही प्रदेश के सभी चिकित्सा, कृषि, संस्कृत व राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक समेत 10 वरिष्ठ प्रोफेसर शामिल रहे।

### कार्यक्रम में ये विशेषज्ञ हुए हैं शामिल

● कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर अनिल कुमार (नासा नई दिल्ली) ने संस्थान को रैंकिंग के मानक बताएं। इस दौरान डॉ छम्मू कृष्ण शास्त्री (अध्यक्ष इंडियन लैंग्वेज कमेटी नई दिल्ली) प्रोफेसर अश्विन फर्नांडिस (रीजनल डायरेक्टर एंड सीईओ मिडल ईस्ट नॉर्थ अफ्रीका, साउथ एशिया, क्यूयूएस रेटिंग इन दुबई) डॉ कुलदीप सिंह इसके अलावा (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज जोधपुर) से डॉक्टर के. रमा प्रोफेसर संजीत सिंह कुलपति चंडीगढ़ विश्वविद्यालय हिमानी स्कूल चंडीगढ़ विश्वविद्यालय पीजी सीताराम चेयरमैन एआईटीसी नई दिल्ली डॉ पंकज मित्तल जनरल सेक्रेटरी एआईयू नई दिल्ली और डॉक्टर योगेश सिंह कुलपति यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली आदि मौजूद रहे।

### दो दिनों में इन मुद्दों पर होगी चर्चा

● विश्वविद्यालय में 9 जुलाई रविवार तक चलने वाले इस कार्यक्रम में शिक्षा की नीतियों को तय करने एनआईआरएफ क्यूएस रैंकिंग में नाम अंकित करने और नेट में ए प्लस ग्रेड पाने के लिए मंथन होगा। नई शिक्षा नीति प्रभावी होने में आ रही दिक्कतों पर भी चर्चा होगी।

# 'ऐसी शिक्षा दें जो विद्यार्थियों को नेतृत्वकर्ता बनाए'

## सीएसजेएमयू में शिक्षा मंथन-2023 का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया शुभारंभ

जागरण संवाददाता, कानपुर : राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में शुरू हुए दो दिवसीय शिक्षा मंथन 2023 में कुलपतियों और शिक्षकों का आह्वान किया कि वे भारत को शिक्षा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के लिए तैयार करें। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के 180 देशों के प्रतिनिधियों का योग दिवस के दिन नेतृत्व किया, यही वैश्विक नेतृत्व है। हमारे विद्यार्थियों को भी इसी तरह तैयार करने की जरूरत है। उन्हें एक साथ कई विषयों का ज्ञान देने की कोशिश करें।

वीरांगना लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित मंथन में राज्यपाल ने कहा कि फिजिक्स सिखाने वाला क्या खेल का आयोजन नहीं कर सकता है। इसी तरह से हर व्यक्ति के पास कई कार्य करने की क्षमता है, जिनका विकास करने की जरूरत है। आज पूरा विश्व योग कर रहा है। विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों ने पानी के अंदर योग किया। योग की शिक्षा अगर ऐतिहासिक स्थल पर दें तो विद्यार्थियों को इतिहास के साथ योग की भी जानकारी मिलेगी। राज्यपाल ने कहा, आज का छात्र ही कल आपके शिक्षण संस्थान का ब्रांड एंबेसडर बनेगा। कुलपति और शिक्षक जो विदेश में अध्ययन कर चुके हैं, उन्हें अपने शिक्षण संस्थान के लिए विदेश के शिक्षण संस्थानों से एमओयू कराना चाहिए। चर्चा के दौरान एनआइआरएफ (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) मूल्यांकन मानक की जानकारी एनआइआरएफ के सदस्य सचिव डा. अनिल कुमार नासा, रैंक सुधार रणनीति पर चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. संजीत सिंह और नैक मूल्यांकन पर नैक की पूर्व सलाहकार डा. के रमा ने चर्चा की।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में आयोजित शिक्षा मंथन कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति, कुलसचिव, शिक्षक व शिक्षाविद • जागरण

### राज्यपाल की प्रमुख बातें

- दीक्षा समारोह से पहले सप्ताह भर खेल आयोजन कराएं।
- डीन भी अपने नए-पुराने शिक्षकों के साथ सप्ताह में दो से तीन बार निजी स्तर पर संपर्क करें। उन्हें शिक्षण से इतर गतिविधियों में शामिल करें।
- विकेस क्वारिडोर व अन्य निवेश माहौल के उपयोग के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रम तैयार करें।
- विश्वविद्यालय इस मंथन प्रक्रिया को महाविद्यालयों तक ले जाएं।

### अंकतालिकाओं में गड़बड़ी पर राज्यपाल हुईं नाराज

जासं, कानपुर : शिक्षा मंथन में परीक्षा मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन और अंकतालिकाओं का मामला भी उठा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इस पर नाराजगी जताई। अपर मुख्य सचिव से कहा कि व्यवस्था में सुधार कराने के ठोस प्रयास करें। मूल्यांकन व अंकतालिका प्रकाशन पर विश्वविद्यालयों की ओर से हर साल एजेंसियों को 200 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्यपाल ने अपर मुख्य सचिव से कहा कि एजेंसियों का यह रवैया ठीक नहीं है। यूपी इलेक्ट्रानिक्स विभाग कोई ऐसा साफ्टवेयर तैयार करे, जिसका उपयोग सभी विश्वविद्यालय कर सकें।

# एशिया में बढ़ा भारत के शिक्षण संस्थानों का दबदबा

जागरण संवाददाता, कानपुर : शिक्षा मंथन के दूसरे सत्र में क्यूएस वर्ल्ड एंड एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुबई के क्षेत्रीय निदेशक व सलाहकार पूर्व सीईओ पी. अश्विन फर्नांडिस ने बताया कि भारत के शिक्षण संस्थानों का एशिया में दबदबा बढ़ा है। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग 2023 में 1500 में से भारत की 45 व यूपी के पांच विश्वविद्यालय शामिल हैं। सत्र की अध्यक्षता किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डा. बिपिन पुरी ने की। उन्होंने बताया कि क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग वाले संस्थानों से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को कई देश विशेष सुविधा भी दे रहे हैं।

दुबई अपने यहां 10 वर्ष का वीजा दे रहा है। इसी तरह सिंगापुर, डेनमार्क, ब्राजील, मलेशिया, चीन, यूके, थाईलैंड सरकार भी अलग-अलग तरह की सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। वर्ष 2021 में विश्व की सर्वश्रेष्ठ 1300 यूनिवर्सिटी को लिया गया था, जिसमें से भारत की 35 व यूपी की चार यूनिवर्सिटी शामिल थीं। इसी तरह वर्ष 2022 में 1400 विश्वविद्यालयों में भारत की 41 और यूपी की पांच यूनिवर्सिटी शामिल रहीं।

### कुलपतियों को मिले संविदा शिक्षक नियुक्ति का अधिकार

जागरण संवाददाता, कानपुर : एनआइआरएफ और नैक मूल्यांकन में रैंक सुधार के लिए शिक्षा मंथन में विशेषज्ञों ने प्रदेश सरकार को सुझाव दिया कि वह स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति में हो रहे विलंब को देखते हुए कुलपतियों को संविदा पर शिक्षकों की नियुक्ति का अधिकार दें। इससे शिक्षण संस्थानों में शिक्षक-छात्र अनुपात सुधरेगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने चर्चा सत्र में शिक्षक अनुपात को लेकर गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने प्रोफेसर बनने में लगने वाले 15 साल का जिक्र किया और कहा कि इस तरह शिक्षण संस्थान में शिक्षक अनुपात व्यावहारिक नहीं हो पा रहा है। विशेषज्ञ प्रो. संदीप सिंह ने कहा कि सरकार को मदद करनी होगी। जहां नियुक्तियों में बाधा है वहां कुलपति व अन्य संस्थाओं को अधिकार दें कि वह संविदा पर शिक्षक की तैनाती कर लें। इसमें शिक्षक के अलग-अलग ग्रेड में तैनाती संभव हो सकेगी। मथुरा वेटनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके श्रीवास्तव ने विदेशी संस्था के साथ शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग का सवाल उठाया और कहा कि सरकारी संस्थानों के लिए विदेशी सहयोग आसान नहीं है।

### कृषि विश्वविद्यालय के लिए बदले जाएं नैक के मानक

जासं, कानपुर : आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या के कुलपति प्रो. बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों का कामकाज अन्य विश्वविद्यालयों की अपेक्षा भिन्न है। नैक मूल्यांकन के मानक भी बदले जाने की जरूरत है। पेटेंट श्रेणी में कृषि विश्वविद्यालयों की प्रजाति अनुसंधान को शामिल किया जाना चाहिए। यहां शिक्षक एव छात्र प्रजाति अनुसंधान का काम करते हैं। किसानों के लिए हो रहे प्रसार कार्य, कृषि प्रणालियों के प्रकाशन को भी शोध पत्र प्रकाशन श्रेणी में रखा जाए तो नैक मूल्यांकन व एनआइआरएफ रैंक का सही लाभ मिलेगा।

### तकनीकी संस्थानों की रैंकिंग का बनाएंगे ढांचा : आशीष पटेल

जासं, कानपुर : शिक्षा मंथन में पहुंचे प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि जिस तरह देश के शिक्षण संस्थानों की एनआइआरएफ रैंक जारी की जाती है, उसी तर्ज पर प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग का ढांचा तैयार कराएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर गुणात्मक शैक्षिक सुधार व प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। अभिभावकों के लिए संस्थानों का चयन आसान होगा। एनआइआरएफ रैंकिंग रणनीति पर चर्चा के दौरान प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने विशेषज्ञ से भी इस बारे में बातचीत की है।

### नैक मूल्यांकन में सफलता के सात सूत्र

जासं, कानपुर : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में शुरू हुए दो दिवसीय शिक्षा मंथन- 2023 के पहले दिन के तीसरे सत्र में नैक ग्रेडिंग की तैयारी पर चर्चा के दौरान नैक बेंगलुरु की पूर्व सलाहकार प्रो. के रमा ने बताया कि



नैक मान्यता के पांच बिंदु शिक्षण संस्थान का राष्ट्रीय विकास में योगदान, वैश्विक क्षमताओं को प्रोत्साहन, प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना, मूल्य संवेदनशीलता का विकास व सभी पहलुओं में उत्कृष्टता का पीछा करना अहम है। मूल्यांकन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शिक्षण संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और छात्र सहायता सिस्टम में सुधार करना चाहिए। इसके अलावा परीक्षाओं की गुणवत्ता, शिक्षा में अनुसंधान, बुनियादी ढांचे का उपयोग, छात्र सहायता और प्रगति को प्राथमिकता देने के साथ क्षमता विकास और जीवन कौशल पर जोर दें। शासन, नेतृत्व, और प्रबंध, पर्यावरण संज्ञानशीलता पर ध्यान देकर बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

### रैंक के लिए अस्थायी शिक्षक नियुक्ति भी कम से कम दो सेमेस्टर जरूरी



जासं, कानपुर : शिक्षा मंथन के प्रथम सत्र में नेशनल बोर्ड आफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) और नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के सदस्य सचिव डा. अनिल कुमार नासा ने बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात अगर उचित नहीं होगा तो एनआइआरएफ रैंक खराब हो जाएगी। अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति भी कम से कम दो सेमेस्टर या एक शिक्षण सत्र के लिए होना जरूरी है। चर्चा सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। डा. नासा ने बताया कि एनआइआरएफ रैंकिंग शिक्षण संस्थानों का समग्र तरीके से मूल्यांकन करता है। शिक्षक-छात्र अनुपात (30%), अनुसंधान आउटपुट (30%), स्नातक आउटरीच (20%), समावेशिता और आउटरीच (10%) और जनधारणा (10%) शामिल है।

### पाठ्यक्रम की अंग्रेजी किताबों का राज्य भाषाओं में हो रहा अनुवाद

जासं, कानपुर : स्नातक और परास्नातक में विज्ञान, वाणिज्य और कला वर्ग की अंग्रेजी में उपलब्ध किताबों का राज्य की भाषाओं में अनुवाद कराया जा रहा है। यह बात शनिवार को पद्मश्री व भारतीय भाषा कमेटी दिल्ली के अध्यक्ष डा. चामू कृष्ण शास्त्री ने कही। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वैज्ञानिकी तकनीकी शब्दावली आयोग ने 30 लाख तकनीकी शब्दों की भारतीय भाषाओं में शब्दावली तैयार की है। केरल हाई कोर्ट ने 300 केस के निर्णय अंग्रेजी से क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद कराया है।

### पेटेंट आवेदन शिक्षण संस्थान से करना जरूरी, अच्छी रैंक के लिए कराएं मैपिंग

जासं, कानपुर : चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति व एनआइआरएफ (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) विशेषज्ञ प्रो. संजीत सिंह ने एनआइआरएफ रैंक सुधार पर चर्चा में कहा यदि शिक्षण संस्थान की ओर से पेटेंट का आवेदन नहीं हुआ है तो रैंक अच्छी नहीं मिलेगी। अच्छी रैंक के लिए सभी विश्वविद्यालयों की मैपिंग कराना जरूरी है। शिक्षा मंथन के दूसरे सत्र में चर्चा के दौरान प्रो. सिंह ने बताया



कि सभी मानकों पर ध्यान देकर तैयारी बेहतर कर सकते हैं। कुछ मानकों पर बेहतर प्रदर्शन भी अच्छी रैंक दिला सकता है। दिल्ली के गुरु तेगबहादुर इंस्टीट्यूट दिल्ली का उल्लेख करते हुए बताया कि छात्र-अभिभावक के बीच अच्छी छवि से संस्थान की रैंक सुधर गई। एकेटीयू के कुलपति प्रो. सक्सेना ने सवाल पूछा, क्या पुराने पेटेंट आवेदन में शिक्षण संस्थान को जोड़ा जा सकता है, उन्होंने बताया कि फीस चुकाकर नया आवेदन कर सकते हैं।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

पीएम मोदी ने तेलंगाना को सौंपी 6100... 12

दारोगा पर मजदूरों से मजदूरी में रिश्वत लेने का... 10

# जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 265
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 09 जुलाई, 2023

# विश्वविद्यालयों में शैक्षिक माहौल बेहतर से बेहतर बनाने के लिए सीएसजेएमयू में दो दिवसीय शिक्षा मंथन 2023 का हुआ आयोजन

## राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को दिए सुझाव

जन एक्सप्रेस। प्रदीप शर्मा

**कानपुर नगर।** छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित हुए दो दिवसीय शिक्षा मंथन 2023 का उद्घाटन शनिवार को हुआ। जिसमे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता और उसमें नए बदलाव को लेकर सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि कई कार्य एक साथ हो सकते हैं। अपने विश्वविद्यालयों को ऐसा बनाएं कि दूसरे लोग आपके विश्वविद्यालय में सीखने आए। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व आज योग कर रहा है हम लोगों ने विश्वविद्यालयों में योग कराया जिसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे और उनकी अध्यक्षता में विश्व के 180 देशों के प्रतिनिधियों के एक साथ योग करने का जिक्र किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर छह जिलों में हो रहा है क्या इस पर कोई कोर्स संचालित किया जा सकता है। इसके सिलेबस और प्रपोजल की जिम्मेदारी मैंने दो यूनिवर्सिटी के कुलपति लखनऊ विवि के वीसी आलोक राय और बुंदेलखंड विवि के वीसी मुकेश पाण्डेय को सौंपी है। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का बायोडाटा निकालकर उनके अनुभव का फायदा छात्रों को कैसे मिले इस पर भी काम किया जाएगा।

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति सहित कई विषयों पर हुआ मंथन

विश्वविद्यालय में हुए शिक्षा मंथन के इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा के संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के क्रियान्वयन, नैक मूल्यांकन, नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क, क्यूएस एशिया रैंकिंग, क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग, मातृभाषा में पुस्तक निर्माण, अनुवाद, परीक्षा सुधार जैसे बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इन बिंदुओं पर हुई चर्चा की एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी जिसके आधार पर प्रदेश के विश्वविद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता में बदलाव लाने की तैयारी की जाएगी। अपर मुख्य सचिव सुधीर एम बोबड़े ने कहा कि प्रदेश में नैक के लिए सभी विश्वविद्यालय जुटे हुए हैं। नैक प्राप्त विश्वविद्यालय को आगे की तैयारी करना है। इसका उद्देश्य प्रदेश के कम से कम 10 विश्वविद्यालयों को एआईआरएफ में आना है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की तकनीकी और मेडिकल की किताबें हिंदी में लांच की जाएगी।

कार्यक्रम में प्रदेश भर के कुलपति शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रदेश भर के 34 विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षण संस्थानों के प्रोफेसर, विशेषज्ञ व शिक्षाविद शामिल रहे।